तीन अपराधी उसे स्टेशन मास्टर के क्वार्टर पर ले गये । सहायक स्टेशन मास्टर के पुकारने पर स्टेशन मास्टर बाहर आ गये और पिस्तौल के जोर पर उन्हें अपराधियों के साथ चल पड़ने और मुहरबन्द बंडल में रखी हुई 707 रुपये की नकदी उनके हवाले करने को विवश होना पड़ा । उसके बाद, लूटी हुई नकदी, पुरा से मैनपुरी के 15 टिकट अन्य स्टेशन अभिलेख और सहायक स्टेशन मास्टर की वर्दी की चीजों को लेकर डकैत स्टेशन से चले गये ।

अलीगढ़ की सरकारी रेलवे पुलिस ने 30-12-1967 को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 394 के अधीन अपराध सं० 183 का मामला दर्ज किया था । अभी तक एक आदमी गिरफ्तार हुआ है और पुलिस अभी मामले की जांच-पड़ताल कर रही है । अभी कोई सम्पत्ति बरामद नहीं हुई है ।

राजस्थान के कोटा और अन्य स्टेशनों से फर्श की टाइलों का निर्यात

81. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या **रेलवे** मंत्री यह बता की कृपाने करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान के कोटा तथा अन्य नगरों से पालिश की हुई तथा बिना पालिश कुछ टाइलें निर्यात की जाती हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि दोनों किस्म की टाइलें बाजार में पृथक-पृथक बेची जाती हैं;

(ग) क्या दोनों किस्म की टाइलों की भाड़े की दरें भिन्न भिन्न हैं और यदि हां, तो उनमें कितना अन्तर है ; और

(घ) 1966-67 में रायगंज और भवानी केन्द्रों से पालिश की हुई और बिना पालिश फर्श की टाइलों से कितनी राशि वसूल हुई ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) राजस्थान के कोटा या अन्य स्टेशनों से बिना पालिश की हुई या पालिश की हुई फर्श की टाइलें बुक नहीं की जातीं । लेकिन कोटा डिवीजन के रामगंज मंडी स्टेशन से फर्श पर बिछाने के लिए इस्तेमाल होने वाली विभिन्न आकारों में कटी हुई पत्थर की सिल्लियां बुक की जाती हैं । पत्थर की इन सिल्लियों में से कुछ पालिश की हुई होती हैं ।

(ख) पालिश की हुई या बिना पालिश की हुई पत्थर की सिल्लियां मिले-जुले रूप में एक साथ बुक की जाती हैं । यह कहना कठिन है कि वे बाजार में अलग-अलग बेची जाती हैं या नहीं ।

(ग) पत्थर की सिल्लियों के लिए माल भाड़ा वही है, चाहे वे पालिश की हुई हों या बिना पालिश की हुई । प्रभार्य दर फुटकर में 50-सी और मालडिब्बा भार में 35-ए है ।

(घ) फर्श के लिए इस्तेमाल होने वाली पत्थर की सिल्लियों के अलग-अलग आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं । 1966-67 में रामगंज मंडी से पत्थर का कुल यातायात जिसमें इस प्रकार की सिल्लियां भी शामिल हैं, 1,43,961 मोटरिक टन था और उनसे कुल 37,07,196 रुपये राजस्व प्राप्त हुआ ।

भवानी मंडी से इस प्रकार का कोई यातायात नहीं हुआ ।

कोटा रेलवे स्टेशन

82. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोटा रेलवे स्टेशन पर तीसरी श्रेणी का कोई प्रतीक्षा एवं विश्राम कक्ष नहीं है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि वहां पर प्रथम श्रेणी के और प्रतीक्षा कक्षों तथा विकास कक्षों की आवश्यकता है ; और

(ग) यदि हां, तो प्रतीक्षा कक्ष तथा विश्राम कक्ष बढाने के लिए सरकार का क्या कार्यक्रम करने का विचार है और इस कार्य में कितना समय लगने की सम्भावना है ?